

11703/08

27



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

17AA 418921

1. भूमि का प्रकार - कृषि भूमि
2. मौहल्ला / ग्राम... मौजा जैत तहसील व जिला मथुरा
3. मापन की इकाई (हेक्टेयर) एकवा 1.662 हेक्टेयर का हिस्सा 1/4 यानी 1.02 एकड़
4. सम्पत्ति का प्रकार :- कृषि भूमि
5. पेड़ों का मूल्यांकन.. नहीं
6. बोरिंग / कुआ / अन्य.. नहीं
7. प्रतिफल की धनराशि 600000 / - रुपये
8. स्टाम्प हेतु मालियत 616020 / - रुपये
9. स्टाम्प देय मुक्त
10. सरकारी दर भूमि 600000 / - रुपये जो नवीन रेट लिस्ट के पृष्ठ सं 0 1 क्रमांक 3 पर दर्ज है।

कार्यक्षेत्र उ०नि० मथुरा - प्रथम
विक्रेता की संख्या (1)
विक्रेता का विवरण

अमरसिंह पुत्र श्री माधौसिंह निवासी ग्राम जैत तहसील व जिला मथुरा
क्रेता की संख्या (1)
क्रेता का विवरण

सनसिटी हाइट्स प्रोजेक्ट्स प्रा०लि० जो एक पंजीकृत कम्पनी है जिसका प्रधान कार्यालय
एन-49, प्रथमतल कनाट प्लेस नई दिल्ली है द्वारा क्रेता कम्पनी द्वारा अधिकृत श्री कपिल देव
उपाध्याय पुत्र श्री छैलबिहारी उपाध्याय निवासी गोवर्धन गेट वृन्दावन तहसील व जिला मथुरा

A.S.D.

अमरसिंह

स.स.म.व.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

17AA 418922

2

मैं कि अमरसिंह पुत्र श्री माधौसिंह निवासी ग्राम जैत तहसील व जिला मथुरा का हूँ।
जो कि कृषि भूमि भूमिधारी चक नंबर-974 व गाटा नंबर-409/1 रकबा 0.479 हैक्टयर व गाटा
नंबर-409/2 रकबा 0.480 हैक्टयर व गाटा नंबर-409/2 रकबा 0.685 हैक्टयर व गाटा
नंबर-412/1 रकबा 0.018 हैक्टयर कुल क्षेत्रफल 1.662 हैक्टयर लगानी 39.35 रुपये का
1/4 भाग स्थित मौजा जैत तहसील व जिला मथुरा मिलिकियत विक्रेता है और अपने 1/4 भाग
उक्त भूमि का विक्रेता एक मात्र स्वामी चला आता है जिस पर विक्रेता का वास्तविक व
मालिकाना कब्जा है और सरकारी कागजात माल में विक्रेता का नाम बहसियत मालिक भूमि
पर के दर्ज चला आता है और जिसकी बावत विक्रेता को हर तरह के अधिकारात मालिकाना
व काविवाना व हस्तान्तरण आदि के प्राप्त हैं तथा जो हर प्रकार के विवादों झगड़े झंझटों कर्जों
जमानतों व अन्य सभी प्रकार की देनदारियों से पूर्णतया: मुक्त व पाक साफ है जिस पर किसी
भी वित्तीय संस्था बैंक आदि या व्यक्ति विशेष की कोई भी देनदारी आयद नहीं है न उक्त भूमि
किसी भी अधिग्रहण या सीलिंग आदि में आती है न इस सम्बन्ध में कोई भी कार्यवाही विचारार्थ
पिन है न विक्रेता ने उक्त भूमि को बेचने का मुहायदा वै किसी से भी तय कर रखा है न उक्त
भूमि की विक्रेता की मिलिकियत की बावत कोई भी वाद किसी भी न्यायालय में विचाराधीन है
तात्पर्य यह है कि उक्त भूमि हर प्रकार के विवादों अलावा विक्रेता के अन्य किसी का भी कोई हक हिस्सा
विक्रेता के ही स्वामित्व की है जिसमें अलावा विक्रेता के अन्य किसी का भी कोई हक हिस्सा
जाने में किसी भी प्रकार की रूकावट या बाधा पैदा कर सके भूमि में सिंचाई का उपयुक्त
साधन न होने के कारण उससे काश्त की अच्छी आय नहीं हो पाती है विक्रेता को रूपयों की
आवश्यकता है कीमत अच्छी व अधिकतम मिल रही है मूल्य में प्राप्त धन का निवेश कहीं भी
कर देने से विक्रेता को भूमि से वर्तमान में हो रही काश्त की आय से कई कई गुना अधिक व

A.S.R.



Ch. An. V

209

23/10/2006

2

ने निष्पादन स्वीकार किया ।

जिनकी पहचान श्री राम प्रसाद

पुत्र श्री उदयराम

पेशा व्यापार

निवासी गोपाल गढ़ वन्द्यावन मथुरा

व श्री नारायण सिंह

पुत्र श्री माधौ सिंह

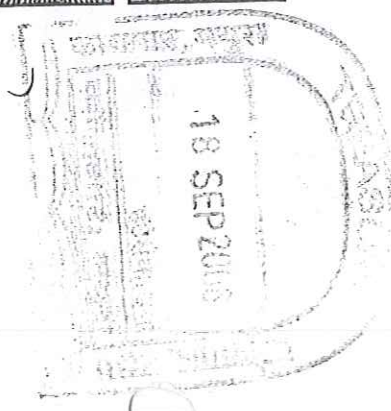
पेशा कृषि

निवासी जैत मथुरा

ने की ।

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिखे गये हैं ।

नारायण सिंह



देवेन्द्र सिंह

उप निबन्धक

मथुरा

13/10/2006





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

17AA 418923

3

अच्छी आय हो जावेगी। जिसमें विक्रेता का सरासर लाभ है, अतः उक्त भूमि हिस्सा 1/4 अपने सम्पूर्ण अंश भूमि को समस्त अधिकारों सहित जो उनकी बावत विक्रेता को प्राप्त हैं या भविष्य में प्राप्त हो सकते हों बिना विक्रेताओं ने अपने पास रखे या छोड़े किसी भी हक व अधिकार के फ्रीहोल्ड सुखाधिकारों के साथ वएवज 600000/छे लाख रुपये जिसके आधे 300000/-तीन लाख रुपये होते हैं। बहक सनसिटी हाईटेक प्रोजेक्ट्स प्रा0लि0 जो एक पंजीकृत कम्पनी है जिसका प्रधान कार्यालय एन-49, प्रथमतल कनाट प्लेस नई दिल्ली है द्वारा क्रेता कम्पनी द्वारा अधिकृत श्री कपिल देव उपाध्याय पुत्र श्री छैलबिहारी उपाध्याय निवासी गोवर्धन गेट वृन्दावन तहसील व जिला मथुरा को बे कतई कर दी व बेच दी और मूल्य का कुल रूपया खरीदार से 500000/-रुपये एच0डी0एफ0सी0 बैंक के चेक नंबर-659569 दिनांक-13.10.2006 द्वारा पाया व 100000/-रुपये नकद वक्त रजिस्ट्री बेनामा प्राप्त कर व मूल्य के कुल रुपये की प्राप्ती हो जाना अंगीकार कर बेची गई भूमि से विक्रेता ने अपना कब्जा हटाकर क्रेता का वास्तविक व मालिकाना अधिपत्य करा दिया क्रेता एक मात्र स्वामी भूमि का हो गया। जिसकी बावत वह कुल अधिकारात मालकाना व कविवाना व हस्तान्तरण आदि अपने प्रयोग में लावे और उसका खुद जो चाहे सो करें, विक्रेता या उनके वारसान का बेची गई भूमि से कोई सम्बन्ध किसी भी प्रकार का शेष नहीं रहा और न आयन्दा भविष्य में कदापि होगा। यदि बेची गई भूमि की मिलिक्यत की बावत कोई विवाद पैदा हो और कब्जा क्रेता से आंशिक या पूर्ण निकल जावे या बेची गई भूमि पर लिया गया कोई ऋण जमानत देनदारी आदि का भार पाया जाये और उसके कारण क्रेता को कुछ खर्च करना पड़े या अदा करने पड़े तो उस कुल की अदायगी व जबाबदेही की जिम्मेदारी मय जर समन व जर लागत सूद आदि के विक्रेता व उनके वारिसान व उनकी चल अचल सम्पत्ति के जिम्मे होगा। क्रेता वह सब हस्व जात्ता बसूल करलें। खर्चा बेनामा क्रेता के जिम्मे है जो शासनादेश सं0 6087/8आ-1-2003-04

A.S.R.

अनुराग

Ch. S. R.



3.

23/9/2006

Registration No

11703

Year :

2006

Book No.

1

0101 अमर सिंह

माधोसिंह

जैल मथुरा

दृषि

विक्रता



8



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

17AA 418924

4

दिनांक-22.11.2003 व अधिसूचना सं0 को0नि0 5-2915/ग्यारह-2004-2004-600 (87)-2001 दि0 9.7.2004 संशोधित सं0 को0नि0 5-3497 / 11-2005-500(83)-2005 दिनांक-9.9.2005 से स्टाम्प मुक्त है। प्रमाण पत्र सलग्न किया जा रहा है। जिसमें मथुरा वृन्दावन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा जारी प्रमाण पत्र सलग्न किया जा रहा है।
लिहाजा यह बैनामा वखुशी राजी खबसाचसमझकर लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें। जिसके हम व हमारे वारिसान आदि सदेव पाबन्द रहेंगे। विक्रेता अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं हैं। विक्रित भूमि में पेड़ बोसिंग व फसल नहीं है विक्रय पत्र क्रेता विक्रेता के उपस्थिति में उनके निर्देशानुसार ड्राफ्ट किया गया है। फोटो प्रमाणित राजेन्द्र प्रसाद पाठक एडवोकेट ने किये हैं।

दिनांक-13.10.2006

कम्प्यूटराईज्ड : गोपाल कृष्ण मथुरा
ड्राफ्ट किया : प्रभात कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट, मथुरा

A.S.R.

उपस्थित



गोपाल कृष्ण मथुरा
प्रभात कुमार चतुर्वेदी

चतुर्वेदी

गोपाल कृष्ण मथुरा
प्रभात कुमार चतुर्वेदी

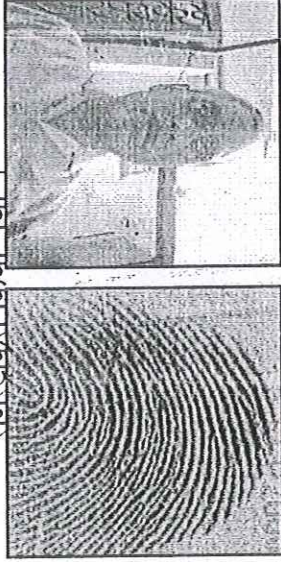


आज दिनांक 13/10/2006 को

वही सं. 1 जिल्द सं. 3917

पृष्ठ सं. 119 से 126 पर क्रमांक 11703

रजिस्ट्रीकृत किया गया



हसिं ड्रन्वेदे
कञ्चननि प
लक्ष्म

सन्सिटी हाईटेक प्रोजेक्ट्स प्रा0लि0 द्राउ0डि0ग देहू, उपाध्याय
छैलविहारी उपाध्याय
गोवर्धन गेट वन्दावन मथुरा
व्यापार

Registration No. 11703

Year : 2006

Book No. 1

केता

23/9/2006